डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक
मंथन दृष्टि

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

वर्ष : 16 अंक : 52 भोपाल: बुधवार, 09 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2025 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

अमृत वचन

डॉक्टर की कामयाबी को सूरज देखता है, लेकिन उसकी नाकामी को जमीन छिपा लेती है।

-एक फ्रांसीसी कहावत

आजाद फिल्म से करेंगी करियर की शुरुआत रवीना टंडन की बेटी रासा थडानी.... पेज- 7

दिल्ली विधानसभा चुनाव दिल्ली में पोस्टर वॉर... औवेसी, अमित शाह समेत कांग्रेस के इन नेताओं पर 'आप' का हमला

दिल्ली में बिगड़ जाएगा 'आप' का गेम?

कांग्रेस ने फंसा दी अरविंद केजरीवाल की गाड़ी, 'इंडिया' से बाहर करने का अल्टीमेटम देकर 'आप' ने चल दिया दांव

● मंथन संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के चुनावी रण में कांग्रेस पार्टी भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। दिल्ली के तकरीबन डेढ़ दर्जन विधानसभा सीटों पर 'आप' के उम्मीदवारों का खेल कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार बिगाड़ सकते हैं। खासकर, दलित और मुस्लिम यानी एमवाई बहुल सीटों पर कांग्रेस 'आप' को कड़ी टक्कर दे रही है। बीजपी जहां पूर्वांचलियों के मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल पर हमला बोल रही है। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने भी दलित, आदिवासी और मुस्लिमों को लेकर अरविंद केजरीवाल को घेरना शुरू कर दिया है। एक तरफ दिल्ली में बीजेपी का 'बुलडोजर' चल रहा है तो वहीं दूसरी तरफ 'आप' के जख्मों पर कांग्रेस पार्टी 'धुर्मुश' का वार कर रही है। कांग्रेस पार्टी बीजेपी से ज्यादा 'आप' पर हमलावर है। 10 जनवरी को भी कांग्रेस ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी पर दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के साथ धोखा देने का आरोप लगाते हुए कुछ सवाल दागे हैं।

कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कई सवाल पूछकर घेरा है। कांग्रेस नेताओं ने 10 जनवरी को पीसी कर आप पर कई आरोप लगाए। खास बात यह है कि आप से कांग्रेस में शामिल हुए दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम भी इस पीसी में मौजूद थे। कांग्रेस

ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल से 10 सवाल पूछे हैं।

पहला सवाल: जाहांगीरपुरी और पूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक हिंसा पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी क्यों चुप रही? दिल्ली के जाहांगीरपुरी और पूर्वी दिल्ली इलाकों में सांप्रदायिक हिंसा के बाद न तो आपने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और न ही पीड़ित एवं असुरक्षित समुदायों के पक्ष में सार्वजनिक रूप से कुछ बोला।

दूसरा सवाल: दलित मंत्री राजेंद्र गौतम को क्यों बर्खास्त किया? आम आदमी पार्टी की सरकार में दलितों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए क्या गारंटी देते हैं?

तीसरा सवाल: बिलकिस बानो मामले पर मनीष सिसोदिया की क्यों चुप रहे? बिलकिस बानो मामले ने जाति धर्म से परे जाकर देश की संवेदनाओं को झकझोर दिया था। लेकिन, तब मनीष सिसोदिया ने उस शर्मनाक घटनाक्रम की निंदा करने या उसपर किसी तरह की टिप्पणी करने से स्पष्ट शब्दों में इंकार कर दिया था। आरोपियों की रिहाई पर जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने या पीड़िता के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए आप ने क्यों कुछ नहीं किया?

चौथा सवाल: सीएए और एनआरसी प्रोटेस्ट के दौरान शाहीन बाग को लेकर 'आप' ने खाली कराने को लेकर जो बयान दिया था, उससे मुस्लिम समुदायों की आवाज और कमजोर हुई। क्या नागरिक स्वतंत्रता और असहमति के प्रति 'आप' का यही दृष्टिकोण है?

पांचवां सवाल: कोराना महामारी के दौरान निजामुद्दीन मरकज को लेकर जिस तरह से एक समुदाय विशेष को दोषी ठहराया गया, उससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ा। 'आप' की सरकार ने उस घटना को इस तरह से हैंडल किया जिससे लगा कि एकता की भावना को मजबूत करने की बजाय विभाजन की राजनीति को बढ़ावा दिया गया है।

छठा सवाल: आप विधायक नरेश यादव ने पवित्र कुरान शरीफ की बेहदबी की, इसके बाद भी पार्टी में रखने को कैसे जस्टिफाई करती है? क्या पार्टी में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं?

सातवां सवाल: पंजाब में दलित उप मुख्यमंत्री बनाने का आपका वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। आपने अभी तक अपना यह वादा क्यों नहीं निभाया है और शासन-प्रशासन में दलितों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

आठवां सवाल: एससी के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना में देरी क्यों की गई? -शेष पृष्ठ 2 पर

...तो ये होंगे दिल्ली में बीजेपी का सीएम चेहरा? सीएम आतिशी ने कर दिया चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी के सीएम चेहरे को लेकर दावा किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी सबसे ज्यादा गाली देने वाले अपने नेता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने जा रही है। दिल्ली के लोगों को पता है कि आम आदमी पार्टी के जीतने पर अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन अगर बीजेपी को वोट दे दिया, तो जनता को गाली देने वाले रमेश बिधूड़ी सीएम बनेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'आज पूरी दिल्ली गाली-गलौज पार्टी से एक ही सवाल पूछ रही है कि उनका सीएम चेहरा कौन है? दिल्ली की हर गली, मोहल्ले और कॉलोनी में यही चर्चा का मुद्दा है कि आम आदमी पार्टी ने अपने सीएम चेहरे को घोषित कर दिया है। दिल्ली के लोगों को पता है कि आम आदमी पार्टी को वोट देने पर अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन, अगर गाली-गलौज पार्टी को वोट दिया तो उनका मुख्यमंत्री कौन बनेगा?' आतिशी ने कहा कि अगर दिल्ली के लोग कमल का बटन दबाते हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री के तौर पर रमेश बिधूड़ी मिलने वाले हैं। इस फैसले का कारण यह है कि गाली-गलौज पार्टी में जो व्यक्ति सबसे ज्यादा भद्दी बातें और गाली-गलौज करता है, वह इस पार्टी में सबसे ज्यादा और तेजी से आगे बढ़ता है। रमेश बिधूड़ी ने संसद में गाली-गलौज की।

राउत बोले-कांग्रेस बताए 'इंडिया' ब्लॉक वजूद में है या नहीं

संजय राउत ने कहा, 'अगर गठबंधन सिर्फ लोकसभा के लिए था और अब इसका वजूद नहीं है तो कांग्रेस इसकी घोषणा कर दे, हम अपने-अपने रास्ते चुन लेंगे, लेकिन मैं बता दूं कि अगर एक बार 'इंडिया' ब्लॉक टूट गया तो दोबारा नहीं बन पाएगा, इसलिए पहले ये सोच लें कि आगे क्या होगा।' राउत जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान पर बात कर रहे थे। उमर ने 9 जनवरी को कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद इसकी कोई बैठक नहीं हुई। यह गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था तो इसे खत्म कर देना चाहिए। इसके पास न कोई एजेंडा है और न ही कोई लीडरशिप।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 जब खुद कलेक्टर ने हितग्राहियों के बीच बैठकर दी....
पृष्ठ 3 धर्म और आध्यात्म मकर संक्रांति देवताओं की मध्य रात्रि होतीस
पृष्ठ 4 किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन राजगढ़ के प्रगतिशील किसान हंसराज रावतिया ने मंथन ग्रामीण....
पृष्ठ 5 कृषि मंथन हृदयाघात, रक्तचाप के लिए रामबाण एवोकेडो फल की....
पृष्ठ 6 देश-विदेश बीजेपी के सामने दिल्ली में क्या है चुनौती, क्यों नहीं बना...
पृष्ठ 7 अनोखी खबरें शव को ले जा रही एंबुलेंस गड्ढे से टकराई और...
पृष्ठ 8 खास साप्ताहिक फोटो असम के नलबाड़ी शहर में स्थित भगवान कृष्ण को समर्पित....

दिल्ली चुनाव आयोग करेगा प्रवेश वर्मा के खिलाफ जांच, केजरीवाल ने लगाया था यह बड़ा आरोप

चुनाव आयोग ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी को आप की शिकायत की जांच करने, तथ्यों का पता लगाने और आदर्श आचार संहिता के अनुसार तत्काल उचित कार्रवाई करने को कहा है। आम आदमी पार्टी द्वारा नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ केंद्रीय चुनाव आयोग को दी गई शिकायत पर आयोग ने इसकी जांच करने के आदेश दिए हैं। चुनाव आयोग ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी को आप की शिकायत की जांच करने, तथ्यों का पता लगाने और आदर्श आचार संहिता के अनुसार तत्काल उचित कार्रवाई करने को कहा है। कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग को भेजी जाएगी। केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा। इसमें प्रवेश वर्मा के खिलाफ शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग रखी। चुनाव आचार संहिता 7 जनवरी से लागू हो चुकी है। इसके बावजूद 8 जनवरी को प्रवेश वर्मा ने हर घर नौकरी अभियान शुरू किया, जो आचार संहिता के नियमों के खिलाफ है। साथ ही, यह प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123 का उल्लंघन भी करता है। साथ ही, बार कोड वाले जॉब कार्ड का वितरण भी अवैध है और चुनाव आयोग के आदेश का उल्लंघन है। इसके अलावा सूचना मिली है कि प्रवेश वर्मा आधिकारिक आवास से लाडली बहन योजना के तहत प्रति वोटर 1100 रुपये दिलवा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि स्थानीय चुनाव अधिकारी भाजपा की मदद कर रहे हैं। उन्होंने मांग रखी कि नई दिल्ली विधानसभा के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को निलंबित किया जाए। साथ ही, उनका तबादला किया जाए। 8 जनवरी को दोपहर 2-3 बजे डीईओ और ईआरओ को आवेदन दिया था कि खुलेआम जॉब कैंप चल रहे हैं और खुलेआम गलत काम हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया।

समाचार परदे के पीछे....

हिंदुओं के लिए खुलेआम आवाज, खालिस्तान विरोधी... कौन हैं कनाडा के चंद्र आर्य, जो पीएम पद की रेस में हुए शामिल

कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने कनाडा में अगले प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जाहिर करते हुए अपनी दावा ठोका है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर करीब 2 मिनट 36 सेकंड की एक वीडियो पोस्ट कर पीएम बनने की बात कही। चंद्र आर्य की यह दावेदारी उस वक्त आई है जब कनाडा में प्रधानमंत्री पद से जस्टिन ट्रूडो ने इस्तीफा दे दिया।

कभी थे जस्टिन ट्रूडो के करीबी: खास बात यह है कि भारतीय मूल के चंद्र आर्य कभी जस्टिन ट्रूडो के करीबी थे, लेकिन जैसे-जैसे उनका भारत विरोधी रवैया सामने आया उन्होंने उनसे दूरी बना ली। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में जब हिंदू मंदिर पर हमला हुआ तब चंद्र आर्य ने सिर्फ अपनी बात ही नहीं रखी वह हिन्दुओं की आवाज भी बने थे। वह कनाडा में रहने वाली हिन्दुओं की आवाज उठाने के साथ खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर मुखर होकर बोलते हैं।

भारत के कर्नाटक में हुआ जन्म: चंद्र आर्य का जन्म कनार्टक के तुमकुरु में हुआ। उन्होंने एमबीए की पढ़ाई कौसाली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से की। हालांकि, भारत में पढ़ाई करने के बाद वह साल 2006 में कनाडा चले गए। राजनीति में उतरने से पहले वह आर्य इंडो-कनाडा ओटावा बिजनेस चैंबर के अध्यक्ष थे। पीएम पद की दावेदारी को लेकर चंद्र आर्य ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मैं कनाडा का अगला प्रधानमंत्री बनने के दौड़ में हूं। जिससे हमारे देश के पुनर्निर्माण और भावी पीढ़ियों के लिए समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक छोटी, अधिक कुशल सरकार का नेतृत्व कर सकूं।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी से डरी डेनमार्क सरकार, क्या अमेरिका को सौंप दिया जाएगा ग्रीनलैंड?

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ से ठीक पहले ग्रीनलैंड को लेकर अहम बयान दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात कही है। ट्रंप ने डेनमार्क को चेतावनी दी है कि अगर ग्रीनलैंड नहीं दिया तो टैरिफ लगाएंगे और जरूरत पड़ी को सैन्य कार्रवाई भी की जा सकती है। डेनमार्क के अधिकारियों को लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने की इच्छा जताई थी लेकिन इस बार मामला गंभीर है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ग्रीनलैंड का अमेरिका का हिस्सा बनना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। ट्रंप के सख्त बयान के बाद डेनमार्क के अधिकारी चिंतित हैं कि इस मामले में कैसे आगे बढ़ा जाए। डेनमार्क ने संकेत दिया है कि वह बातचीत के लिए तैयार है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा है कि ग्रीनलैंड ग्रीनलैंड के लोगों का है और उनको ही अपने भविष्य का फैसला करना है। ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र राष्ट्र नहीं है बल्कि वो डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है।

✓ हमारा "मंथन दृष्टि" साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए निःशुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।